

प/प/119

पत्रावली पेश की है। वकील माननी इफ्तखार। कहे हुनी
प्रकरण की पूरा पत्रावली 15/2014 का निर्णय है।

3.12.2018 का डवलोकन किया। प्रमुख प्रमाण-पत्र
एवं संलग्न मौखिक कोटों के यह साफ नहीं होते हैं
कि मौखिक पर कोई तथ्य का निर्माण किया गया है। निर्णय
इस 4 माह के कामकाज संबंधी व्यतीत हो उठी है और

निर्णय माननी (अपील) के पक्ष में नहीं होकर
रीपोजीशन, जिन्हें के बने तक डायरेक्ट हो रही

दिया गया है। सुगाफुण के निम्न पत्रावली के पक्ष में
निर्णय हुआ है। निर्णय हो सकता है। इन्होंने केवल मौखिक
बयानों का उपयोग किया हुआ है। प्रमाण तथ्य

डायरेक्ट का निर्माण हो चुका नहीं है।
हजारों प्रमाण संबंधित माननी का (रिपोर्ट व्यतिरिक्त)
माननी है। पत्रावली संबंधित सुगाफुण के पक्ष में नहीं है।

राजेश्वर अपील प्राधिकारी
वाड़मेर